14/12/20

डॉ० उमेश मल्लिक
इतिहास विभाग

अरबों की सफलता और दाहिर की पराजय के कारण :–

(प्रश्नलिपि)

मुहम्मद बिन-कासिम के नेतृत्व में सिन्ध विजय करने तथा दाहिर की पराजय के पीछे कई कारणों का योगदान था। तुलनात्मक दृष्टि से अरबों की सफलता और दाहिर की असफलता के कारणों की विवेचना क्रमशः इस प्रकार की जा सकती है।

(1) आपसी मतभेद :– सर्वप्रथम सिन्ध भारत का समृद्धशाली राज्य नहीं था। आबादी, आर्थिक साधन तथा सैनिक-शक्ति में सिन्ध का राज्य पिछड़ा हुआ था। वहाँ किसी एक जाति या धर्म का बोलबाला नहीं था। सिन्ध में बौद्ध, जैन, जाट और निम्न जाति के लोग थे। समाज के विभिन्न वर्गों और धर्मावलम्बियों में आपसी मतभेद था। वे एक दूसरे को ऊँच नीच की भावना से देखते थे। सामाजिक भिन्नता एवं धार्मिक असन्तोष का लाभ शत्रु पक्ष को मिला।

(ii) जनसाधारण की उदासीनता :—

ब्राह्मण वंश की नीति से बौद्ध एवं जाट असन्तुष्ट थे। दाहिर जाटों को शस्त्र रखने तथा घोड़े पर चढ़ने की आज्ञा नहीं देता था। शासन के प्रति जनसाधारण में व्याप्त उदासीनता और उनके बीच देश द्रोह की प्रवृत्ति के कारण सिन्ध पर अरबों की विजय हुई।

(iii) अर्थाभाव :—

सिन्ध आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न क्षेत्र नहीं था। आर्थिक विपन्नता के कारण सिन्ध में शक्तिशाली स्थायी सेना रखने का खर्च पूरा नहीं हो सकता था। दूसरी ओर अरबों के पास एक स्थायी शक्तिशाली सेना थी और उन्हें आय के पर्याप्त साधन उपलब्ध थे। अर्थाभाव सिन्धवालों की पराजय का एक मुख्य कारण बन गया।

(iv) भारतीय शासकों की उदासीनता :—

छोटे-छोटे राज्यों में विभक्त भारत स्वार्थपरता की भावना से परिपूर्ण था।